भारत सरकार

नागर विमानन मंत्रालय

लोक सभा

लिखित प्रश्न संख्या : 6225

गुरुवार, 2 अप्रैल, 2026/12 चैत्र, 1948 (शक) को दिया जाने वाला उत्तर

विमानपत्तन अवसंरचना का विस्तार

6225.डॉ. के. सुधाकर:
डॉ. भोला सिंह:
श्रीमती अपराजिता सारंगी:
श्रीमती हिमाद्री सिंह:
श्री मुकेशकुमार चंद्रकांत दलाल:
श्री मनोज तिवारी:
श्री शंकर लालवानी:
श्री खगेन मुर्मु:
डॉ. हेमांग जोशी:
श्री विष्णु दयाल राम:
श्रीमती स्मिता उदय वाघ:
डॉ. संजय जायसवाल:
डॉ. निशिकान्त दुबे:

क्या **नागर विमानन** मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे कि:

(क) क्या सरकार ने यात्री यातायात में तीव्र वृद्धि, जिसमें वित्तीय वर्ष 2025 के दौरान 412 मिलियन यात्रियों की हैंडलिंग और वित्तीय वर्ष 2031 तक 665 मिलियन तक की अनुमानित वृद्धि शामिल है, को देखते हुए विमानपत्तन अवसंरचना संबंधी क्षमता का कोई व्यापक मूल्यांकन किया है और यदि हां, तो तत्संबंधी ब्यौरा क्या है;

(ख) वर्तमान में देश में प्रचालनरत विमानपत्तनों की संख्या कितनी है और विमानपत्तन नेटवर्क के विस्तार का क्या अनुमान है;

(ग) क्या सरकार ने आने वाले दशकों में प्रचालनरत विमानपत्तनों की संख्या में पर्याप्त वृद्धि करने के कथित दृष्टिकोण को देखते हुए देश में विमानपत्तन नेटवर्क के विस्तार के लिए कोई दीर्घकालिक रूपरेखा तैयार की है और यदि हां, तो तत्संबंधी ब्यौरा क्या है;

(घ) मध्य प्रदेश में शहडोल हवाई पट्टी की वर्तमान स्थिति क्या है;

(ङ) क्या उड़े देश का आम नागरिक (यू.डी.ए.एन.) योजना के अंतर्गत उक्त हवाई पट्टी को शहडोल के जनजातीय और औद्योगिक क्षेत्र की सेवा के लिए पूर्णत: कार्यात्मक वाणिज्यिक विमानपत्तन के रूप में विकसित करने का कोई प्रस्ताव है और यदि हां, तो तत्संबंधी ब्यौरा क्या है;

(च) महाराष्ट्र में जलगांव विमानपत्तन पर विमानपत्तन टर्मिनल भवन के विस्तार और रनवे विस्तार कार्यों की प्रगति सहित वहां चल रहे विकास कार्यों की वर्तमान स्थिति का ब्यौरा क्या है; और

(छ) जलगांव विमानपत्तन पर क्षेत्रीय कनेक्टिविटी और यात्री सेवाओं में सुधार के लिए विमानन सुविधाओं के और अधिक विस्तार, आधुनिकीकरण और संवर्धन के लिए भावी योजनाओं और समय-सीमा का ब्यौरा क्या है?

उत्तर

नागर विमानन मंत्रालय में राज्य मंत्री (श्री मुरलीधर मोहोल)

(क) से (ग): यातायात वृद्धि को देखते हुए यात्री मांग, परिचालन आवश्यकताओं और एयरलाइन की मांग के आधार पर भारतीय विमानपत्तन प्राधिकरण (एएआई) और अन्य

हवाईअड्डा प्रचालकों द्वारा क्षमता में वृद्धि सहित विस्तार कार्य किए जाते हैं। पिछले कुछ वर्षों के दौरान, देशभर के कई हवाईअड्डों पर विस्तार परियोजनाएं आरंभ की गई हैं, जिसके परिणामस्वरूप यात्री-प्रबंधन क्षमता प्रति वर्ष 570 मिलियन से अधिक यात्रियों तक बढ़ गई है।

दिनांक 28.02.2026 तक देश में 164 हवाईअड्डे हैं। विकसित भारत 2047 के उद्देश्यों के अनुसरण में, ग्रीनफील्ड हवाईअड्डा नीति के अंतर्गत ग्रीनफील्ड हवाईअड्डों, आरसीएस-उड़ान योजना के अंतर्गत असेवित/अल्पसेवित हवाईअड्डों के पुनरुद्धार, भारतीय विमानपत्तन प्राधिकरण द्वारा मौजूदा हवाईअड्डों के उन्नयन, और सार्वजनिक निजी भागीदारी (पीपीपी) के माध्यम से निजी निवेश को बढ़ावा देकर, हवाईअड्डों का विकास और विस्तार किया जा रहा है। 25 ग्रीनफील्ड हवाईअड्डों को सैद्धांतिक मंजूरी मिल चुकी है, 13 कार्यशील हैं और 6 को साइट मंजूरी मिल चुकी है। आरसीएस-उड़ान योजना के अंतर्गत, 95 हवाईअड्डों को जोड़ने वाले 663 मार्गों को कार्यशील किया गया है। संशोधित 'उड़ान' योजना का लक्ष्य 120 नए गंतव्यों को जोड़ना और 10 वर्षों में 4 करोड़ यात्रियों को सेवा प्रदान करना है।

(घ) और (ङ): मध्य प्रदेश में शहडोल हवाईपट्टी को क्षेत्रीय संपर्क योजना (आरसीएस)-उड़ान के तहत चिह्नित असेवित हवाईअड्डों की अस्थायी सूची में शामिल किया गया है। वर्तमान में, शहडोल हवाईपट्टी को जोड़ने वाला कोई भी आरसीएस मार्ग अवार्ड नहीं किया गया है।

(च) और (छ) उड़ान योजना के अंतर्गत जलगांव हवाईअड्डे को 28.55 करोड़ रुपये के पूंजीगत व्यय पर विकसित और कार्यशील किया गया है। भारतीय विमानपत्तन प्राधिकरण (एएआई) ने अपेक्षित सरकारी अनुमोदनों, भूमि की उपलब्धता और वैधानिक/विनियामक मंजूरी के अध्यधीन व्यस्ततम घंटों के दौरान 150 प्रस्थान और 150 आगमन यात्रियों को संभालने की क्षमता सहित, टर्मिनल भवन के 700 वर्ग मीटर से लगभग 1500 वर्ग मीटर तक विस्तार और संबद्ध यात्री सुविधाओं और संबंधित अवसंरचना विकास के लिए एक प्रस्ताव तैयार किया है और यह परियोजना अभी प्रारंभिक स्तर पर है।

******